तापमान
अधिकतम 35 .6 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 13 जुलाई, 2025

11 पुलिस ने 1182 वाहनों को चेक कर 50 वाहनों के किए चालान

12 नवाचार को शिक्षा के साथ एकीकृत करना...

खबर संक्षेप

भैंस चोरी मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

नारनौंद। पुलिस ने नारनौंद से भैंस चोरी मामले में चौथे आरोपित पप्पू निवासी पीपल हेड़ा जिला हापुड़ को गिरफ्तार किया है। आरोपित पप्पू ने साथियों के साथ मिलकर चार साल पहले वर्ष 2021 में नारनौंद वार्ड नंबर एक निवासी रामभगत के मकान में से तीन भैंस व एक कटड़ी चोरी कर फरार हो गए थे। थाना नारनौंद पुलिस ने इस मामले के तीन आरोपित को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में आरोपित चार साल से फरार चल रहा था।

एक दिवसीय इन-हाउस वर्कशॉप का आयोजन

हिसार। अर्बन इस्टेट स्थित विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को 'एक्टिव लर्निंग' विषय पर एक दिवसीय इन-हाउस वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त रिसोर्स पर्सन प्रवीन भाटिया द्वारा संचालित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा में शिक्षण को अधिक प्रभावी, सहभागिता पूर्ण और अनुभवात्मक बनाना था। इसमें शिक्षकों को शिक्षण में नवाचार, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने, सहयोगात्मक अधिगम तकनीकों एवं मूल्यांकन के नए तरीकों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

सुदर्शन क्रिया फ़ॉलोअप का आयोजन आज

हिसार। आर्ट ऑफ लिविंग हिसार इकाई की ओर से आज साधकों को आध्यात्मिक पथ पर आरूढ़ रखने के लिए योग, ध्यान व गुरु-ज्ञान जैसे दिव्य गुणों से सुसज्जित श्री श्री रविशंकर की पवित्र वाणी में दिव्य-सुदर्शन क्रिया फ़ॉलोअप का आयोजन किया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट टीचर कोऑर्डिनेटर सुरेश जैन ने बताया कि सत्र दो स्थानों, भारत माता मंदिर में प्रातः 6:30 से 8:30 बजे तक एवं सेक्टर 14 स्थित आर्ट ऑफ लिविंग हैप्पीनेस सेंटर में प्रातः 6 से 8 बजे तक होगा। इसका संचालन स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज गुप्ता एवं स्टेट टीचर कोऑर्डिनेटर महावीर अग्रवाल करेंगे।

डीजे बंद कराने के प्रकरण में छत से गिरकर युवक की मौत का मामला

गणेश के परिजनों ने 5वें दिन भी नहीं कराया पोस्टमार्टम

कांग्रेस ने शासन व पुलिस पर संवेदनहीनता बरतने का आरोप लगाया आरोप, कांग्रेस सांसद व विधायक धरने पर समर्थन देने पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭️हिसार

हिसार। सिविल सर्जन कार्यालय के सामने धरना देते मृतक गणेश के परिजनों व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

12 क्वार्टर एरिया में लगभग एक सप्ताह पूर्व जन्मदिन पार्टी में डीजे बंद कराने को लेकर हुए विवाद में 16 वर्षीय युवक गणेश की मौत मामले में परिजनों व समाज के लोगों का नागरिक अस्पताल में पांचवे दिन भी धरना जारी रहा। अभी तक परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम भी करवाया है और उनका कहना है कि जब तक घटना के जिम्मेदार पुलिस कर्मचारियों पर केस दर्ज नहीं होगा, वे शव नहीं लेंगे। बता दें कि अपनी मांगों के समर्थन में परिजन व दलित समाज के लोगों ने शुक्रवार को अर्धनग्न होकर नागरिक अस्पताल से एडीजीपी कार्यालय तक प्रदर्शन भी किया था। इस दौरान एडीजीपी ने एसआईटी बनाकर मामले की जांच का प्रस्ताव रखा था, जिसे परिजनों ने नकार दिया। उधर, गणेश के परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि गणेश की मौत पुलिस द्वारा छत से धक्का देने से हुई है। नागरिक अस्पताल में सीएमओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे परिजनों व समाज के अन्य लोगों के धरने पर विभिन्न संगठनों के लोगों का पहुंचना व समर्थन देना जारी है। शनिवार शाम को सांसद जयप्रकाश, विधायक नरेश सेलवाल व चन्द्रप्रकाश नागरिक अस्पताल में पहुंचे और परिजनों से बात करते हुए अपना समर्थन दिया। कांग्रेस सांसद व विधायकों ने इस प्रकरण में जिला प्रशासन व पुलिस पर संवेदनहीनता बरतने का आरोप लगाया और मांग की कि पीड़ितों की मांग तुरंत सुनी जाए।

हम राजनीति नहीं दुख बांटने आए : जेपी

जयप्रकाश ने कहा कि हम यहां राजनीति करने नहीं बल्कि पीड़ितों का दुख बांटने आए हैं। जब सत्ताधारी दल जनता की आवाज न सुनें तो विपक्ष का कर्तव्य बनता है कि वह जनता के साथ व जनता के बीच जाए। आज केन्द्र व प्रदेश में कांग्रेस ही विपक्षी दल है, ऐसे में हम जनता के साथ हैं। सरकार एवं प्रशासन को इन पीड़ितों की आवाज सुननी चाहिए।

यह है पूरा मामला

12 क्वार्टर चौकी इंचार्ज विनोद कुमार का कहना है कि 7 जुलाई रात गश्त के दौरान भारत नगर में रात 11 बजे शुभम उर्फ काकू के घर के सामने वाली गली में डीजे बज रहा था। जब टीम मौके पर पहुंची तो वहां हिस्ट्रीशीटर शुभम उर्फ काकू और शिवा उर्फ घोड़ा ने विरोध किया और बहस करने लगे। स्थिति बिगड़ने पर नई सब्जी मंडी चौकी इंचार्ज महेंद्र को बुलाया। विनोद ने बताया कि वहां महेंद्र के साथ भी शुभम, शिवा और 15-20 अन्य लड़कों ने बहस की और डीजे हटाने पर पथराव व गंडासी जैसे खतरनाक हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें हम दोनों घायल हो गए। युवकों ने खुद छत से छलांग लगाई। पुलिस कर्मचारियों ने उन्हें धक्का नहीं दिया।

सिलेंडर में ब्लास्ट, कमरे की छत गिरी

- आग लगने के बाद घर की हालत देख मालिक हुए बेहोश

हरिभूमि न्यूज ⏭️हांसी

गांव रामपुरा में शनिवार दोपहर खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इससे कमरे की छत उड़ गई और कमरे में रखे सामान में आग लग गई। पुलिस व फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया लेकिन तब तक घर में रखा सामान जलकर राख हो चुका था। गांव रामपुरा निवासी 40 वर्षीय बलजीत की पत्नी घर में सब्जी बना रही थी, कि अचानक से गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। घर में लगी आग इतनी भीषण थी कि एक कमरे की कड़ियों की छत नीचे आ गिरी और कमरे

आग लगने की घटना के बाद गिरी कमरे की छत व जला पड़ा सामान।

रखी संदूक चारपाई व अन्य सामान मलबे के नीचे दबने से नष्ट हो गया। सिलेंडर ब्लास्ट के बाद घर में रखे कपड़े, बिस्तर, पंखे, इन्वर्टर बैटरी आदि सहित खाने पीने का सामान जलकर राख हो गया। घर में आग लगने की घटना के बाद घर की हालत देख बलजीत चक्कर खाकर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त बच्चे घर पर मौजूद नहीं थे।

ब्लास्ट होने के बाद सिलेंडर का नहीं चला पता

सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। ब्लास्ट के बाद गैस सिलेंडर कहां और कितनी दूर जाकर गिरा, इसके बारे में अभी तक पता नहीं चल पाया है। मकान मालिक बलजीत ने बताया कि वह कल ही सिलेंडर भरवा कर लाया था। आग को बुझाने के बाद उसके पड़ोसी और काफी संख्या ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और उन्होंने बाल्टियों व पाइप के जरिए घर में लगी आग पर पानी डालकर बुझाने का प्रयास किया। आग पर काबू नहीं पा सके। ग्रामीणों के अनुसार बलजीत के तीन बच्चे हैं जिनमें दो बेटियां और एक बेटा है। बलजीत उसकी पत्नी गांव में मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते है। घटना के बाद से पूरा परिवार सदमे है।

सामुदायिक केंद्र से 10.14 ग्राम हेरोइन सहित दो काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭️हिसार

पुलिस की नशा निरोधक टीम ने सेक्टर-14 के सामुदायिक केंद्र के पास से कार सवार दो युवकों को काबू कर उनके कब्जे से 10.14 ग्राम हेरोइन बरामद की है। टीम प्रभारी उप निरीक्षक इंदर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी कि इस दौरान विश्वसनीय सूत्र से प्राप्त सूचना के आधार पर सेक्टर-14 स्थित सामुदायिक केंद्र के पास एक संदिग्ध कार को रोका गया।

पूछताछ करने पर कार सवार युवकों ने अपनी पहचान गांव कालवास निवासी रविकांत और रूप नगर 12 क्वार्टर निवासी अक्षय के रूप में दी। पुलिस उप अधीक्षक किशोरी लाल की मौजूदगी में कार

हिसार। पकड़े गए दोनों युवक।

की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार के गियर बॉक्स के पास रखी पॉलीथिन थैली से 10.14 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ व वाहन को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों के खिलाफ शहर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

घर में घुसकर महिला पर सुए से हमला

हिसार। शांति नगर, ब्रह्मज्ञान पूरी निवासी महिला पर घर में घुसकर सुए से हमला करने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि हमलावर रिश्ते में लगने वाला उसका देवर है। महिला को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। हमला किए जाने के कारणों को खुलासा नहीं हो पाया है। उपचाराधीन महिला प्रीति कुकरेजा ने बताया कि वह घर में काम कर रही थी। इस दौरान रिश्ते में देवर लगाने वाला युवक महेश सुए लेकर आया और उस पर सुए से कई वार किए। इससे वह घायल हो गई। बाद में महेश फरार हो गया।

खेत में काम करते किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हांसी। बडछप्पर गांव में शुक्रवार शाम को खेत में काम कर रहे एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय गंगाधर के रूप में हुई है।

आसमान में बिजली तेज कड़की और वह बेहोश हो गए। इसके बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां मृतक के परिजनों के बयान पर इत्तेफाकिया मौत की कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया।

किसान की मौत के असल कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद हो पाएगा। गंगाधर शुक्रवार शाम को अपने बेटे के साथ खेत में काम कर रहा था, कि अचानक मौसम बदला और तेज बारिश के साथ बिजली कड़कने लगी। अचानक बिजली कड़कने से गंगाधर असहज हो गया और मौके पर ही बेसुध हो गए। अपने पिता को बेहोश होकर गिरते देख उनके पास ही काम कर रहे बेटे लवकेश ने उसे संभाला और घर पर फोन कर परिजनों को जानकारी दी। परिजन गंगाधर को गांव में निजी डॉक्टर के पास ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
कैंसर की पूरी, विश्वस्तरीय जांच और इलाज
कैंसर के इलाज के लिए अब दिल्ली क्यों जाना ?
एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल
अब
CGHS
और
CISF, CRPF, CAPF, SSB, BSF,
ITBP, NSG, Delhi Police
पैनलों में शामिल
अपॉइंटमेंट एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
9138111625
एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
सुशांत सिटी, कुंडली,
रसोई गाँव के पास, सोनीपत
www.andromedahospital.in
NABH मान्यता प्राप्त
Scan the code to open the Google Map

बीड़ बबरान धाम में आज होगा संकीर्तन

हिसार। बीड़ बबरान धाम में 13 जुलाई को आयोजित होने वाले श्याम बाबा के संकीर्तन में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। संकीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया जाएगा। सर्वप्रथम भक्तगण बाबा के दरबार में माथा टेककर अनुकंपा बनाए रखने की अर्जी लगाएंगे। इसके साथ ही विधि-विधान के अनुसार श्याम बाबा की पूजा व आराधना भी की जाएगी। संकीर्तन में गायक श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करते हुए बाबा के शौर्य, पराक्रम और अनुकंपा से परिचय करवाएंगे। बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा भजन गाकर समां बांधने का काम करेंगे।

ऐतिहासिक होगा अग्रवाल वैश्य समाज का हरिद्वार सम्मेलन

हिसार। अग्रवाल वैश्य समाज का हरिद्वार सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। यह बात अग्रवाल वैश्य समाज हिसार के जिला अध्यक्ष ललित बंसल ने अपने साथियों के साथ हिसार से हरिद्वार जाते समय कही। तीन दिवसीय सम्मेलन में प्रदेश भर से 500 से अधिक वैश्य समाज के लोग भाग लेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ रास सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेश बंसल व अध्यक्षता वैश्य समाज के अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला करेंगे। कार्यक्रम में ऋषिकेश के विधायक और पूर्व मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि गुरुग्राम के समाजसेवी नवीन गोयल और राष्ट्रीय नवचेतना मंच के अध्यक्ष विजय सोमानी भाग लेंगे।

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- SIP पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रैच्युटी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रैच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी

- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?

- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला

- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?

- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी

- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 5.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोट: यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न

- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%

- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वारली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं

- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

काम की बात कोई भी कर्ज लेने से पहले ब्याज दर, शुल्क, शर्तें और इससे जुड़ी शर्तों का पता करें, ताकि बाद में आपको कोई नुकसान नहीं उठाना पड़े

पेमेंट एप से पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। ये ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सकें।

लोन लेने की प्रक्रिया और सुविधा गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। यह ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है, जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और अन्य एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)।

यह करना होगा यूजर को

यूजर को गूगल पे ऐप पर लोन सेक्शन में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से लोन राशि और अवधि चुननी होती है। आमतौर पर, लोन की मंजूरी कुछ ही मिनटों में मिल जाती है, बशर्ते आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और डॉक्यूमेंट्स पूरे हों। अभी गूगल पे 10,000 रुपये से लेकर 8 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन ऑफर करता है, जिसकी ब्याज दरें 10.99% से शुरू होकर 36% तक जा सकती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, यानी आपको बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लोन की राशि सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाती है, जो इसे तेज और सुविधाजनक बनाता है।

गूगल पे से लोन के नुकसान व जोखिम

हालांकि गूगल पे के जरिए लोन लेना आसान है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम है ऊंची ब्याज दरें। न्यूज़ वेबसाइट मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई एनबीएफसी जो गूगल पे के साथ साझेदारी करते हैं, वे अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज वसूलते हैं, खासकर अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है। इसके अलावा, लोन की अवधि छोटी होने पर मासिक किस्त (ईएमआई) ज्यादा हो सकती है, जो आपके मासिक बजट पर दबाव डाल सकती है।

गूगल पे एक प्लेफार्म

एक और बात ध्यान देने वाली है कि गूगल पे खुद लोन नहीं देता, बल्कि वह एक प्लेटफॉर्म है जो आपको लेंडर्स से जोड़ता है। इसलिए, लोन के नियम और शर्तें उस वित्तीय संस्थान पर निर्भर करती हैं, जिसके साथ आप लोन ले रहे हैं। अगर आप नियम और शर्तें ठीक से नहीं पढ़ते, तो बाद में परेशानी हो सकती है।

छिपी हुई लागत और सावधानियां

गूगल पे के जरिए लोन लेते समय कुछ छिपी लागतें भी हो सकती हैं, जिन्हें अक्सर लोग अनदेखा कर देते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोन ऑफर में प्रोसेसिंग फीस, समय से पहले भुगतान का शुल्क (प्री-पेमेंट चार्ज), और देर से भुगतान की पेनल्टी शामिल हो सकती है।

क्या है गूगल पे

गूगल पे एक डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो गूगल द्वारा विकसित किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

पेमेंट एप की विशेषताएं

- डिजिटल पेमेंट : गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- मोबाइल पेमेंट : गूगल पे मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- कॉन्टैक्टलेस पेमेंट : गूगल पे कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की अनुमति देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल डिवाइस को पेमेंट टर्मिनल के पास रखकर पेमेंट कर सकते हैं।
- सुरक्षा : गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं, जैसे कि टोकनाइजेशन और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।

पेमेंट एप के लाभ

- सुविधाः गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुरक्षाः गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।
- गतिः गूगल पे पेमेंट प्रक्रिया को तेज और आसान बनाता है।
- व्यापक स्वीकृतिः गूगल पे को कई ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट्स द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- गूगल पे एक सुविधाजनक और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

खबर संक्षेप

115.95 ग्राम हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार

हिसार। पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत गांव पीरांवाली निवासी प्रेम सिंह को हेरोइन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम द्वारा की गई कार्रवाई में पुलिस ने प्रेम सिंह को उसके घर के सामने से काबू किया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तलाशी लेने पर प्रेम सिंह के कब्जे से पॉलिथीन की थैली में कुल 115 ग्राम 95 मिलीग्राम हेरोइन बरामद किया। आरोपी प्रेम सिंह लंबे समय से नशीले पदार्थों की बिक्री में संलिप्त बताया जा रहा है। बरामद मादक पदार्थ को पुलिस ने कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ सदर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

24 घंटे बाद भी निकासी न होने से लोग परेशान

हिसार। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष एवं समाजसेविका मनु अग्रवाल ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न मोहल्लों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि बारिश होने के 24 घंटे बीतने के बावजूद गलियों में जलभराव था। लोग अपने दिनचर्चा के कार्य करने के लिए मजबूरी में जलभराव से होकर गुजर रहे थे। कांग्रेस नेता अग्रवाल ने कहा कि कई क्षेत्रों में सीवरेज बैक मार रहे हैं। सरकार व प्रशासन का उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं है। लोगों के घरों के सामने सीवरेज का गंदा पानी जमा है और ऐसे में बीमारियां फैलने की आशंका पैदा हो गई है। जिससे लोग परेशान है।

सीएम के आदेश पर एसपी ने ली समीक्षा बैठक

शिकायतें पर तुरंत एक्शन लें, संदिग्ध लोगों पर कड़ी नजर रखें : शशांक

बैठक में एजेंडे वाइज मामलों पर चर्चा की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने पुलिस लाइन स्थित ऑफिसर मेस में शनिवार को अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया। इसमें सभी पुलिस उप अधीक्षक, थाना प्रबंधक, चौकी व अपराध यूनिट प्रभारी, आर्थिक अपराध शाखा प्रभारी, प्रवाचक पुलिस अधीक्षक शामिल रहे। मीटिंग में एसपी सावन ने मुख्यमंत्री की वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध और कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में हुई समीक्षा बैठक के सभी एजेंडा प्वाइंट पर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। एसपी ने निर्देश दिए कि पुलिस शिकायतकर्ता की सुनें और अपराधियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में घटित होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर नियमित रूप से सतर्क निगरानी बनाए रखें। किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना को हल्के में न लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी थाना क्षेत्र में अपराध घटित होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी सम्बंधित थाना प्रभारी की मानी जाएगी। ऐसे मामलों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन अपराधियों को हाल ही में जेल से रिहा किया गया है, उन पर विशेष निगरानी रखी जाए। उनके गतिविधियों की समय-समय पर जांच व पूछताछ की जाए ताकि वे पुनः अपराध की ओर न बढ़ें।

उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में अपराध दर में यदि वृद्धि देखी जाती है, तो थाना प्रभारी को तत्काल प्रभाव से रणनीतिक कार्रवाई कर अपराध नियंत्रण सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए गश्त बढ़ाना, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखना अति आवश्यक है।

हिसार। अपराध गोष्ठी में दिशानिर्देश देते एसपी शशांक कुमार सावन। *फोटो : हरिभूमि*

आदतन अपराधियों पर कसे शिकंजा

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सक्रिय आदतन अपराधियों पर तत्काल प्रभाव से कड़ी निगरानी रखी जाए और उनके विरुद्ध कानून सम्मत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति बार-बार अपराधों में संलिप्त पाए गए हैं, जिनकी प्रवृत्ति आपराधिक है और समाज में भय या असुरक्षा का वातावरण बना रहे हैं, ऐसे अपराधियों की हिस्ट्री खोली जाए। हिस्ट्री शीट खोलने का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों की हर गतिविधि पर नजर रखना और उनके पुनः अपराध की ओर बढ़ने से पहले उन्हें नियंत्रित करना है। उन्होंने सख्ती से कहा कि समाज में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित करना और उन पर सख्ती बरतना अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अपराधियों पर नकेल कसें

एसपी ने निर्देश दिए कि थानों में लंबित अभियोगों में त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका निपटान कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करे। संपति विरुद्ध अपराधों में ज्यादा से ज्यादा रिकवरी सुनिश्चित करे। पिछले सालों में संपति विरुद्ध अपराधों में गिरफ्तार हुए आरोपियों की सूची बनाकर उन्हें नियमित रूप से चैक करते रहे। साथ ही जघन्य अपराधों में अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें।

भगवान श्री वेंकटेश की निकली सवारी शोभायात्रा

- तिरुपति धाम में भगवान वेंकटेश की सवारी शोभा यात्रा में गूंजे जयघोष, उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

उत्तर भारतीय व दक्षिण भारतीय संस्कृति को एकसूत्र में बांधने वाले श्री तिरुपति बालाजी धाम में पूरे विधि-विधान से भगवान वेंकटेश जी का अभिषेक किया गया। सायंकाल भगवान वेकंटेश जी, माता लक्ष्मी जी व माता भूदेवी जी की सवारी शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई।

विधानस्वरूप मंत्रोच्चारण के साथ भगवान वेंकटेश जी के साथ माता लक्ष्मी जी व माता भूदेवी जी को रथ पर स्थापित पालकी में विराजमान किया गया। सवारी शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालु जय श्रीमन्ननारायण, जय गोविंदा व जय भगवान वेंकटेश के जयघोष करते रहे।

भक्तों ने अपने हाथों से रथ को खींचकर अपनी आस्था जताई और पूरे धाम की परिक्रमा की। शोभा यात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं में सात्विक गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया। सवारी शोभा यात्रा में हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं ने अग्रोहा रोड पर लांदड़ी टोल प्लाजा के पास स्थापित तिरुपति धाम में स्थापित श्री वेंकटेश भगवान जी, श्री पद्मावती माता जी, श्री गोदांबा माता जी, श्री गरुड़ जी, श्री लक्ष्मी नृसिंह जी, श्री सुदर्शन जी, श्री रामानुज स्वामी जी, श्री शठकोप स्वामी जी, श्री वरवर मुनि जी एवं श्री हनुमान जी के मंदिरों के भी दर्शन किए। भक्तों ने तिरुपति धाम में 42 फुट ऊंचा सोने का श्री गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम्, श्री तिरुपति यज्ञशाला, पवित्र पुष्करणी व 71 फुट ऊंचे गोपुरम का भी अवलोकन किया।

हिसार। तिरुपति धाम में आयोजित सवारी शोभा यात्रा। *फोटो : हरिभूमि*

नारनौंद ट्रैफिक पुलिस ने दिखाई सख्ती

नारनौंद। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशों के अनुसार ट्रैफिक पुलिस नारनौंद ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर एक बुलेट पटाखा बाइक का 37 हजार रुपये का व ड्रिंक एंड ड्राइव मोटरसाइकिल का 23 हजार पांच सौ रुपये का चालान कर इंपाउंड किया गया। नारनौंद ट्रैफिक इंचार्ज रामनिवास चहल ने बताया कि नियमित चेकिंग के दौरान जींद बरवाला सड़क मार्ग पर गांव गैबीनगर बस स्टैंड पर एक बुलेट मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को कागजात की जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि उसकी बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखा की आवाज निकल रही थी। नियमों के उल्लंघन के आधार पर उसका 37 हजार रुपये का चालान किया। इसी प्रकार ड्रिंक एंड ड्राइव मोटरसाइकिल चालक का 23 हजार पांच सौ रुपये का चालान कर इंपाउंड किया गया है। साथ ही अन्य वाहन चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि सभी अपने मोटरसाइकिल के कागजात लेकर साथ चलें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 27 हजार 597 मामलों का हुआ निपटारा

- 4 करोड़ 84 लाख 61 हजार 376 रुपये राशि का निपटान
- लोक अदालतें सामाजिक समरसता और आपसी समझ को देती हैं बढ़ावा : अशोक कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिला मुख्यालय सहित हांसी न्यायिक परिसर में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायिक प्रणाली को सरल और सुलभ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देशों पर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरपर्सन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के मार्गदर्शन में आयोजित इस लोक अदालत में कुल 27 हजार 597 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिसमें 4 करोड़ 84 लाख 61 हजार 376 रुपये राशि का निपटान किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि लोक अदालतें न केवल लंबित मामलों के समाधान का प्रभावी माध्यम हैं, इससे जल्द न्याय मिलता है।

हिसार। लोक अदालत में चलती सुनवाई। *फोटो :हरिभूमि*

25 लाख रुपये मिलने के बावजूद अधर में लटका आदमपुर बस स्टैंड मरम्मत कार्य

आदमपुर। बस स्टैंड की मरम्मत के लिए सरकार द्वारा 25 लाख रुपये जारी के बावजूद एक साल बाद भी बस स्टैंड की मरम्मत का कार्य अधर का लटका है। इसके चलते बस स्टैंड से आवागमन करने वाले बस यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बताया जाता हे कि ठेकेदार को भुगतान न होने के चलते ठेकेदार काम बीच में छोड़कर पहले भी चला गया था। बाद में दूसरे ठेकेदार को काम दिया गया लेकिन भुगतान न होने के चलते वह भी काम छोड़कर चला गया। जानकारी के अनुसार सरकार द्वारा पिछले वर्ष 25 लाख जारी करने के बाद जनवरी माह में पीडब्ल्यूडी विभाग ने ठेका दिया एवं मरम्मत कार्य शुरू किया गया था। इसके चलते बस बूथ नंबरों के फुटपाथों, महिला एवं पुरुष शौचालयों, दीवारों तथा छत को तोड़कर नवीनीकरण कार्य शुरू किया गया था लेकिन सात माह बाद भी बस स्टैंड के शौचालय व दीवारें टूटी पड़ी है तथा अन्य कार्य अधर में लटका पड़ा है। इस बारे बस अड्डा इंचार्ज राम सिंह बिश्नोई ने बताया कि पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग के अधिकारियों से कई बार संपर्क किया गया तथा जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करवाने बाबत बात की गई लेकिन फिर भी कार्य भी अधर में लटका पड़ा है। एसडीओ अरुण कुमार ने कहा कि जल्द कार्य पूरा होगा।

सर्विस रूल जारी नहीं करने से अनुबंधित कर्मचारियों में रोष

- कर्मचारी संघ ने सरकार को दिया 17 तक अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ की बैठक विद्युत सदन मुख्यालय के प्रांगण में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सदन अध्यक्ष नीरज तारा ने की एवं मंच संचालन सह-सचिव सतेंद्र यादव ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा सर्विस रुल-2024 जारी करने में हो रही देरी और सभी कर्मचारियों की अन्य समस्याओं का समाधान के बारे में चर्चा करना रहा जिनमें वेतन, मेडिकल एवं कर्मचारियों का डाटा पोर्टल पर अपडेट करना संबंधित रहा। प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक सर्विस रुल जारी नहीं की गई। इसके कारण कर्मचारियों में भारी रोष है। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा के अध्यक्ष कंवरपाल ने बताया कि प्रदेश सरकार अगर 17 जुलाई से पहले सर्विस रुल जारी करे अन्यथा 18 जुलाई को बिजली निगमों के मुख्यालय में प्रबंध निदेशक, पंचकूला और 21 जुलाई को प्रबंध निदेशक दक्षिण को ज्ञापन दिया जाएगा।

हिसार। बैठक करते अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के पदाधिकारी व सदस्य।

पुलिस ने 1182 वाहनों को चेक कर 50 वाहनों के किए चालान

- सीलिंग प्लान के दौरान 42 संदिग्ध व्यक्तियों से की गई पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

पुलिस ने शुक्रवार शाम 7 से 10 बजे तक सीलिंग प्लान के तहत जिला पुलिस क्षेत्र 27 नाके लगा कर 1182 वाहनों को चैक किया गया तथा यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाले 50 वाहनों के चालान किए गए। सीलिंग प्लान के दौरान 42 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर फारिक किया गया है।

पुलिस अमित यशवर्धन ने बताया कि सीलिंग प्लान के तहत जिला में विभिन्न स्थानों पर विशेष नाकाबंदी करके वाहनों की गहनता से जांच की गई। इसके साथ ही सीलिंग प्लान किसी भी आपात स्थिति से निपटने व अपराध को अंजाम देकर भागने वाले अपराधियों को पकड़ने व अपराधों की रोकथाम के लिए तुरंत कार्रवाई के लिए जिला पुलिस द्वारा किया जाता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सीलिंग प्लान का उद्देश्य जिला के आम नागरिकों को सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

हांसी। सीलिंग प्लान के दौरान नाकों पर वाहनों की जांच करते पुलिस अधिकारी।

4119 ने ऑनलाइन किया था आवेदन, 3501 ने दी परीक्षा

- हकृवि में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न
- विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसारहरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शनिवार को परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होनें सभी केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।

सेवा भारती स्कूल में प्रश्नोत्तरी में टीम ब ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सेवा भारती द्वारा शनिवार को सेवा भारती माध्यमिक विद्यालय सत्य नगर में अध्यापक और अध्यापिकाओं की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र संस्कार का रहा। जिसे अमृतलाल जलंधरा व डॉ सुदर्शन लाल सोनी ने आयोजित किया। इस सत्र में हमारी संस्कृति से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें टीम 'ब' विजयी रही तथा विजयी टीम को ईनाम बांटे गए। वहीं, द्वितीय सत्र में अंग्रेजी शिक्षण डॉ. सुदर्शन लाल सोनी ने, गणित शिक्षण अंबिका प्रसाद ने व सिलाई प्रशिक्षण रीना ने किया। तृतीय सत्र में ब्लू बेल कान्वेंट स्कूल की प्राचार्य सुनीता रेड्डू ने शिक्षा में संस्कार विषय पर उद्बोधन दिया। यह विषय अध्यापक अध्यापिकाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण रहा और सुनीता रेड्डू ने खेल विधि का शिक्षण में प्रयोग भी कराया।

हिसार। मासिक बैठक में उपस्थित सेवा भारती के पदाधिकारी, अतिथि व शिक्षक।

रोटरी सैंट्रल ने करवाई पर्यावरण संरक्षण पर क्विज प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

रोटरी सैंट्रल क्लब हिसार ने धमाना गवर्नमैंट मिडल स्कूल में जाकर स्कूल के बच्चों से पर्यावरण पर चर्चा की। चर्चा के उपरांत स्कूल के 8 बच्चों को पर्यावरण पर क्विज एवं पेड़-पौधों के फायदों के बारे में प्रतियोगिता में लिखित उत्तर देने को कहा गया। इस कड़ी में 6 बच्चे पूर्ण रूप से उत्तीर्ण हुए जिनमें जानवी, रश्मी, पावनी, अनु, कोमल एवं पावनी मुख्य रहे। क्लब द्वारा इन बच्चों को प्रोत्साहन राशि भेंट की गई। रनर अप में आरुष व गौरव रहे इन्हें भी क्लब द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन में क्लब की तरफ से रो. रवि महता, रो. संजीव खुराना तथा रो. कृष्ण मलिक द्वारा क्विज का आयोजन किया गया तथा स्कूल की तरफ से प्रिंसिपल सत्यवान वत्स तथा शिक्षिका अनिता मिगलानी ने आयोजन में भाग लिया। यह प्रतियोगिता 'एक पेड़ मां' के नाम से संबंधित थी।

हिसार। क्विज के दौरान बच्चों को संबोधित करते रोटरी सैंट्रल क्लब हिसार के पदाधिकारी।

फरीदाबाद में होने वाले राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में हिस्सा लेगी

अनिशा ने जिला स्तरीय खेल महाकुंभ में जीता गोल्ड

- स्कूल में पहुंचने पर अनिशा का जोरदार स्वागत, जिले का बढ़ाया मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

जिला स्तरीय खेल महाकुंभ ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन महावीर स्टेडियम में हुआ। इस प्रतियोगिता में जीनियस हाई स्कूल, गांव खेड़ी बरकी की दसवीं कक्षा की होनहार छात्रा अनिशा पुत्री बलवान सिंह ने 73 किलो भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अनिशा की इस उपलब्धि ने न केवल उनके स्कूल, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल में पहुंचने पर अनिशा का जोरदार स्वागत किया गया और बधाई दी गई। अनिशा अब 15 से 17 जुलाई तक फरीदाबाद में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिता में हिसार जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी इस उपलब्धि पर जीनियस हाई स्कूल के मुख्याध्यापक नरेन्द्र सिंह सेठी और समस्त स्कूल स्टाफ ने अनिशा को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अनिशा की मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बरवाला। स्वर्ण पदक विजेता छात्रा अनिशा को सम्मानित करते मुख्याध्यापक नरेंद्र सेठी व स्टाफ सदस्य। *फोटो :हरिभूमि*

खबर संक्षेप

दक्ष जयंती समारोह की सभी तैयारियां पूरी : वर्मा

हिसार। भिवानी के भीम स्टेडियम में 13 जुलाई को आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह ऐतिहासिक और भव्य होगा। समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। यह जानकारी देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता हनुमान वर्मा ने बताया कि समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और प्रजापति समाज के लिए बड़ी सौगात देने की घोषणा करेंगे। यह आयोजन प्रजापति समाज की एकता, संस्कृति और स्वाभिमान का प्रतीक होगा। प्रदेश के लोक निर्माण, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा की समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 20 से

हिसार। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रधान डॉ. कमल शर्मा ने बताया कि जिला हिसार बैडमिंटन प्रतियोगिता 20 से 22 जुलाई तक स्थानीय विद्युत नगर के बैडमिंटन हॉल में आयोजित की जाएगी। इसमें जिला हिसार के लड़के व लड़कियां भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग- 11, 13, 15, 17, 19 वर्ष से नीचे व ओपन कैटिगरी के लिए होगी। प्रतियोगिता में लड़के व लड़कियां एकल, युगल व मिश्रित युगल तीनों कैटेगरी में खेल सकते हैं।

उन्होंने आज यहां बताया कि प्रतियोगिता के लिए बच्चे हिसार जिले से होने चाहिए। प्रतियोगिता से खिलाड़ियों को आगे होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए मेरिट के आधार पर चयनित किया जाएगा।

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र आज

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में 13 जुलाई को ध्यान और उत्सव विषय पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलने वाले इस सत्र में ध्यान कैसे किया जाए और जीवन को उत्सव में कैसे तब्दील किया जाए जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही ध्यान की सरल विधियों की जानकारी प्रदान करते हुए उनका अभ्यास भी करवाया जाएगा। ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय ने बताया कि ध्यान और उत्सव का मानव जीवन में विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि ध्यान बिना किसी विचार के शुद्ध चेतना की स्थिति है।

पानी निकासी के लिए लगाई गई मोटरें बिना बिजली बनी शो-पीस

चैनत में बरसाती पानी की निकासी नहीं होने से हजारों एकड़ फसल जलमग्न

पास ही बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाई गई सरकारी ड्रेन सूखी पड़ी है, जिससे प्रशासन के दावों की पोल खुल गई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। बरसाती पानी में डूबी फसलें। फोटो : हरिभूमि

बरवाला रोड स्थित गांव चैनत में बरसाती पानी की व्यवस्था नहीं होने के खेतों में हुए जलभराव से हालात बाढ़ जैसे बन गए हैं। ग्रामीणों की हजारों एकड़ में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई।

वहीं जलभराव के चलते हांसी-बरवाला मुख्य रोड पर कई जगह पानी इस कदर बह रहा है कि जैसे सड़क पर नहर में पानी बह रहा है। हालत यह है कि सड़क नजर ही नहीं आ रही। जबकि जलभराव वाले खेतों से चंद मीटर की दूरी पर बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाई गई सरकारी ड्रेन सूखी पड़ी है, जिससे प्रशासन के जल निकासी दावों की पोल खुल गई है।

उद्घाटन के एक साल बाद भी नहीं ट्रांसफॉर्मर

चैनत गांव के सरपंच प्रतिनिधि हिमांशु ने बताया कि उनके गांव में बरसात से पहले चोवा 5-6 फीट पर था, लेकिन लगातार हो रही वर्षा के कारण अब भूजल स्तर ऊपर आ गया है। चोवे का पानी खेतों और सड़क पर बहने लगा है। उन्होंने बताया कि करीब एक वर्ष भर पहले विधायक विनोद भयाना ने बरसाती पानी की निकासी लाइन का उद्घाटन किया था, वहां अब मिट्टी में दब चुकी है। हालांकि बरसाती पानी की निकासी के लिए मोटर लगाई जा चुकी है, लेकिन बिजली विभाग ट्रांसफॉर्मर लगाना ही भूल गया। बिना ट्रांसफॉर्मर के मोटरें महज शोपीस बनकर रह गई हैं। हिमांशु ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर वे कई बार विधायक और अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन अभी अब तक कोई समाधान नहीं हुआ।

हांसी। सड़क पर बह रहे बरसाती पानी के बीच से गुजरता स्कूटी चालक।

पशुओं को खिलाने के लिए चारा नहीं

किसान बिजेंद्र, मनोज, सरवन, विकास और जगबीर ने बताया कि जलभराव के चलते उनके खेतों में खड़ी कपास व बाजरे की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है, अब तो हालत ये है कि खेतों में पशुओं के लिए हरा चारा तक नहीं बचा। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले भी विधायक से मुलाकात कर ट्रांसफॉर्मर लगवाने की मांग की गई थी, लेकिन केवल आश्वासन मिला। किसान बिजेंद्र ने कहा की बिजली ट्रांसफॉर्मर के बिना सब बेकार है।

प्रशासनिक लापरवाही से गहराया संकट

ग्रामीणों का कहना है कि अगर ड्रेन तक बिजली लाइन चालू होती और समय पर ट्रांसफॉर्मर लगा दिया गया होता, तो आज खेतों में जलभराव के कारण उनकी फसलें नहीं होती। उन्होंने बताया कि उनके खेतों में कपास, बाजरा, धान जैसी फसलें खड़ी थी, जो अब सड़ने की कगार पर हैं। वहीं सड़क पर बहते पानी ने राहगीरों की मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं।

नवाचार को शिक्षा के साथ एकीकृत करना अनिवार्य

हिसार। एफडीपी प्रोग्राम का पोस्टर जारी करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। फोटो :हरिभूमि

- नवाचार एवं उद्यमिता पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का पोस्टर रिलीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की नवाचार इकाई एमओईज इनोवेशन सेल एवं एआईसीटीई द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित 'फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन इनोवेशन एंड इंटर एंटरप्रेन्योरशिप' का पोस्टर जारी किया गया। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने यह पोस्टर जारी किया। यह कार्यशाला हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा होस्ट की जा रही है और इसका आयोजन 22 जुलाई से 26 जुलाई तक ऑफलाइन मोड में किया जाएगा।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों को नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में दक्ष बनाना है ताकि वे अपने संस्थानों में छात्र नवाचार परियोजनाओं, स्टार्टअप आइडियाज और उद्यमशील गतिविधियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकें। प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम के माध्यम से नवीनतम सिद्धांतों, उपकरणों और रणनीतियों से परिचित कराया जाएगा, जिससे वे छात्रों को विचारों को व्यावसायिक रूप देने की प्रक्रिया में सक्षम बना सकें। प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि नवाचार और उद्यमशीलता को शिक्षा के साथ एकीकृत करना आज के समय की अनिवार्यता है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को फाइनेंस फॉर स्टार्टअप्स, कस्टमर डिस्कवरी, बिजनेस मॉडल कैनवास, वैल्यू प्रपोजीशन, आईपीआर, गो टू मार्केट स्ट्रेटेजी और एक्शन प्लान डेवलपमेंट जैसे महत्वपूर्ण और प्रासंगिक विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

एचएसबी के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने बताया कि, यह कार्यशाला 'इनोवेशन एजुकेटर्स' और 'मेंटर्स' के रूप में शिक्षकों को तैयार करेगी। एचएसबी के डीन प्रो. कर्मपाल नरवाल ने कहा कि यह प्रोग्राम शिक्षकों के ज्ञान क्षितिज को व्यापक बनाएगा। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता रानी ने बताया कि कार्यशाला में 50 से अधिक शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

प्रदेश में आएगी बदलाव की आंधी : सोरखी

- नई अनाज मंडी में आम आदमी पार्टी की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। बैठक में उपस्थित आम आदमी पार्टी के नेता।

आम आदमी पार्टी के जिला पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी की अध्यक्षता में नई अनाज मंडी में हुई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष व हिसार जिला के प्रभारी अनिल रंगा विशेष रुप से उपस्थित हुए।

बैठक में जिले के गत विधानसभा चुनाव में सभी हलकों से पार्टी प्रत्याशी रहे पार्टी नेताओं के अलावा अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने पार्टी के जिला प्रभारी अनिल रंगा व आए हुए सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि हाल में पंजाब व गुजरात उपचुनाव में पार्टी की हुई धमाकेदार जीत से पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं में जोश है। आने वाले समय में हरियाणा में भी बदलाव की आंधी तय है। आम आदमी पार्टी हरियाणा की जनता के बीच मजबूत विकल्प लेकर पहुंचेगी। जिला प्रभारी अनिल रंगा ने दो राज्यों में पार्टी को मिली भारी मतों से जीत के लिये बधाई देते हुए कहा कि इसी तरह अब देश व प्रदेश में आप पार्टी की लोकप्रियता बढ़ रही है। बैठक में पूर्व मंत्री छतरपाल सिंह, पूर्व जिला प्रधान दलबीर किरमारा, शमशेर श्योराण, उमेश शर्मा, नरेन्द्र सिंह, संजय सातरोडिया, रणबीर लोहान, सतीश घिराये, सुभाष कुण्डू, सतबीर झाझडिया, मंदीप मून,हरपाल सिंह पूनिया, एडवोकेट विरेन्द्र शर्मा, सीताराम फौजी, प्रमोद बसवाना, आदि उपस्थित रहे।

नलवा के विकास में कमी नहीं आएगी : कुलदीप

- पूर्व सांसद ने किया अनेक कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन करते पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि नलवा हलके के गांवों में विभिन्न विकास कार्य शुरू हो गए हैं। कई पूरे भी हो गए हैं। ऐसे ही हलके के सभी गांवों में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गत विधानसभा चुनाव में हमने वादा किया था कि रणधीर पनिहार के चुनाव जीतने और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर नलवा हलके में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं आने देंगे। कुलदीप बिश्नोई शनिवार को विधायक रणधीर पनिहार के साथ नलवा हलके में विभिन्न विकास कार्यों का शिलायन्स और उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। आदमपुर हो या नलवा क्षेत्र विकास कार्यों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में एक वर्ष का भी समय नहीं हुआ है और नलवा में विकास कार्यों की झड़ी लगी है।

इस दौरान गांवों में विधायक रणधीर पनिहार ने गांवों में विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की।

संगठन को दिया अनुशासन व जनजुड़ाव का मंत्र

- बसपा की संगठनात्मक समीक्षा बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। बैठक को संबोधित करते बसपा नेता।

बहुजन समाज पार्टी द्वारा जोन वाइज संगठनात्मक समीक्षा बैठकों की श्रृंखला के अंतर्गत जोन नंबर-3 की बैठक यादव धर्मशाला में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यतिथि के रूप में बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल, वशिष्ठ अतिथि केंद्रीय राज्य प्रभारी प्रताप सिंह पहुंचे और अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने की।

इस बैठक में सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, चरखी दादरी, जींद और हिसार जिलों के सांगठनिक ढांचे की समीक्षा की गई। मुख्य वक्ता रणधीर बेनीवाल ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी अब हरियाणा में यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के विजन को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत से काम करेगी। उन्होंने संगठनात्मक अनुशासन, विचारधारा की जागरूकता और जनसंवाद पर बल देते हुए कहा कि यही सत्ता तक पहुंचने का सही मार्ग है। बैठक में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा जमालपुर ने कहा कि हरियाणा में मौजूदा सरकार दलित समाज के साथ लगातार भेदभाव कर रही है। बजट, नौकरियों और विकास में बहुजन समाज को हाशिए पर धकेला जा रहा है।

महाग्राम योजना में कैमरी और आर्य नगर शामिल

- शहरों की तर्ज पर ही दोनों गांवों में मिलेंगी सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

प्रदेश सरकार ने जिले के गांव कैमरी और आर्य नगर को महाग्राम योजना में शामिल करने की मंजूरी प्रदान कर दी है।

कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दोनों गांवों को महाग्राम योजना में शामिल करने की घोषणा की थी। सरकार की मंजूरी के बाद अब इन गांव में शहरों की तर्ज पर सभी सुविधाएं दी जाएंगी। यहां पब्लिक पार्क, स्ट्रीट लाइट, सिटी बस सर्विस कनेक्टिविटी, पेयजल व सीवरेज कनेक्शन, ट्रीटमेंट प्लांट, (एसटीपी) सड़क, ड्रेनेज सिस्टम जैसे कार्यों को त्वरित गति से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने महाग्राम योजना आरंभ की थी। अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'महाग्राम' योजना पर तेज गति से कार्य आरंभ कर दिया है। 10 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों को शहरों की तर्ज पर सुविधाएं देने की इस योजना को चरणबद्ध तरीके से सिरे चढ़ाने की रूप रेखा तैयार कर ली गई है।

ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप का आगाज

हांसी। कराटे प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के हाथ मिलवाकर मैच शुरू करवाते डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई। फोटो :हरिभूमि

हांसी। डीएसपी सिद्धार्थ व स्पेशल स्टाफ इंचार्ज सब इंस्पेक्टर रविकांत ने शनिवार को खिलाड़ियों को नशे से दूर रहने तथा खेलों के जागरूक करने के लिए जय भारत मंडल धर्मशाला में ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता में लगभग 350 खिलाड़ी ने भाग लिया। इस अवसर पर डीएसपी सिद्धार्थ ने खिलाड़ियों, कोच व खिलाड़ियों के परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी बच्चों के स्वास्थ्य, नेतृत्व व कुशलता के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने ने कहा कि खेलकूद अच्छे स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए उपयोगी होते हैं खेलकूद से सामंजस्य की क्षमता का विकास होता है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे से निकाल कर खेलों से जोड़ना है। इसलिए हम सबकी भी जिम्मेदारी बनती है कि आज जो युवा नशे की लत में ग्रस्त है उसको नशे की लत से बाहर निकाल कर खेलों से जोड़ना है। उन्होंने साइबर क्राइम के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि साइबर अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं और हमारी व्यक्तिगत जानकारी व वित्तीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं।

प्रतियोगिता में कृष्णा देवी गुरुकुल इंटरनेशनल बना सर्वाधिक मेरिट विजेता विद्यालय

उकलाना। राष्ट्रीय शिक्षा समिति द्वारा विद्यालय स्तर पर 16 अप्रैल 2025 को हरियाणा गौरव पुरस्कार प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें सीनियर वर्ग में रक्षिता, चंद्रकांता, पल्लवी, आरजू व जूनियर वर्ग में नूर, तनिष्का, परिधि, अग्रिम, जतिन, देव श्री, काविनी व सुखप्रीत ने उकलाना के सभी विद्यालयों में सबसे अधिक मैरिट प्राप्त करके अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में हरियाणा के सभी जिलों के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। निदेशक काजल धायल ने बताया कि इस परीक्षा परीणाम के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा समिति ने सम्पूर्ण हरियाणा के 22 स्कूलों को सर्वाधिक मैरिट विजेता विद्यालय की सूची में शामिल किया है। कृष्णा देवी गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल इस सूची में शामिल होने वाला उकलाना क्षेत्र का एक मात्र स्कूल बना है। इस उपलब्धि के लिए प्रिंसिपल जयप्रकाश पांडेय ने सभी छात्र-छात्राओं, स्टाफ एवं अभिभावकों को बधाई दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9653530207, 8814999173, 9253681005

गुजवि में शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

- विद्यार्थियों को विदेशी भाषाओं में दक्षता प्रदान करना ही उद्देश्य : प्रो. बिश्नोई
- छात्रों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग में शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स-फ्रेंच व जर्मन के ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आरंभ हो गई है।

इन कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को विदेशी भाषाओं में दक्षता प्रदान करना है, ताकि वे वैश्विक स्तर पर रोजगार और उच्च शिक्षा के अधिक अवसरों का लाभ उठा सकें।

प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि आज के वैश्वीकरण के युग में भाषाओं का ज्ञान न केवल व्यक्तिगत विकास बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा में बढ़त के लिए भी अनिवार्य हो गया है। फ्रेंच और जर्मन जैसी भाषाएं न केवल यूरोप बल्कि विश्वभर में उच्च तकनीकी, पर्यटन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आईटी क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। इन दोनों कोर्सेज में 90-90 घंटे की प्रशिक्षण अवधि निर्धारित की गई है।

विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका सिंगला और कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. साक्षी जैन ने बताया कि सफल छात्रों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। यह प्रमाण पत्र उनके रेज्यूमे को और भी सशक्त बनाएगा। इन भाषाओं का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों, दूतावासों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के द्वार खोल सकता है। साथ ही, विदेशी भाषाओं का ज्ञान उन्हें वैश्विक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा।

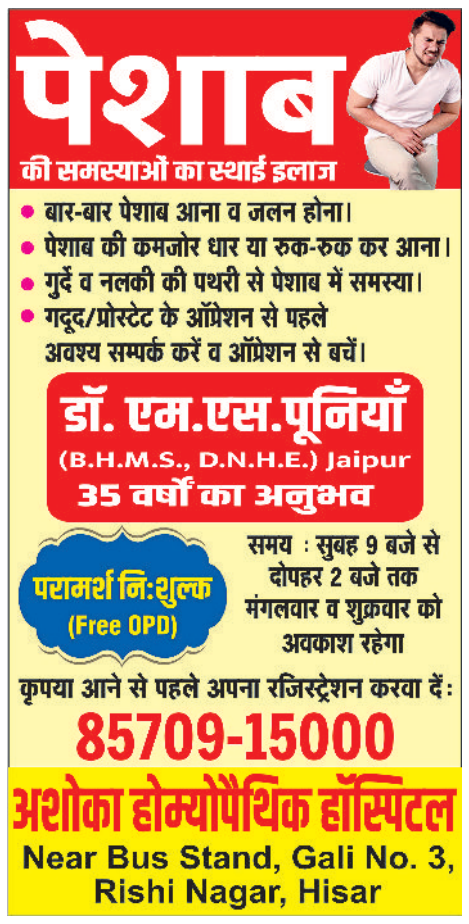

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक , रविवार 13 जुलाई 2025

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

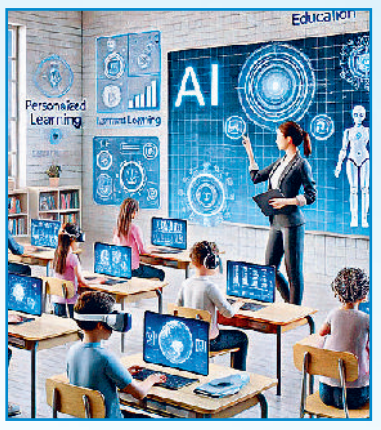

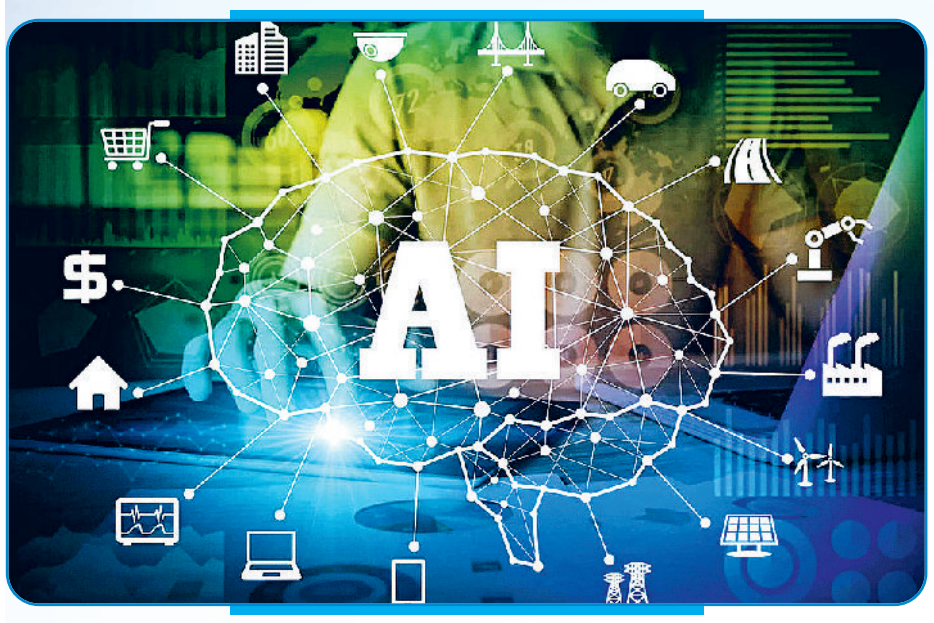

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

{ फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह }

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांचः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएसः अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएसः अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशनः इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

{ गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग खिचकियाते बहुत हैं
ठाठकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

{ लघुकथा / गीता सिंह }

बांझिन का घर

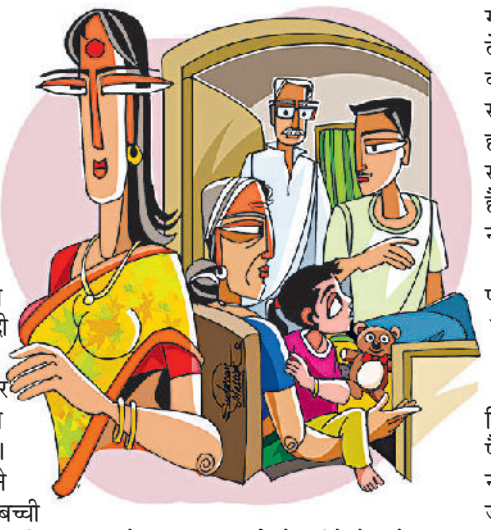

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

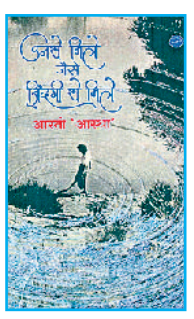

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तकः उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिकाः** आरती 'आस्था', **मूल्यः** 180 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

तीर्थयात्रा
डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

हर वर्ष सावन माह में बाबा अमरनाथ धाम में प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से हजारों-लाखों श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा करते हैं। अत्यंत दुर्गम होने के बावजूद धार्मिक आस्था और पुण्य अर्जित करने की कामना से भक्तगण इस यात्रा में भरपूर उत्साह से सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा की विशिष्टता और महत्ता के बारे में जानिए।

आध्यात्मिक आनंद-अक्षय पुण्य प्रदान करती है अमरनाथ यात्रा

भारत वर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर ऐसा कोई प्रांत नहीं, जहां तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। सनातन धर्मावलंबियों के लिए कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इस तीर्थ को 'अमरेश्वर' कहा गया है। अमरनाथ हिंदी के दो शब्द 'अमर' अर्थात 'अनश्वर' और 'नाथ' अर्थात 'भगवान' को जोड़कर बनता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों- सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, त्रयंबकेश्वर, रामेश्वरम, नागेश्वर और घृष्णेश्वर के अतिरिक्त अमरनाथ का भी विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। इसीलिए अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए अमरेश्वर भी कहलाते हैं। श्रद्धालु अमरेश्वर को ही बाबा अमरनाथ और बर्फानी-बाबा भी कहते हैं। अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। 40 मीटर ऊंची अमरनाथ गुफा में पानी की बूंदों के जम जाने की वजह से ठोस बर्फ का एक अप्रतिम-दैवीय शिवलिंग निर्मित होता है।

पौराणिक मान्यता: एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिए कहा, तब यह रहस्य बताने के लिए भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई भी न सुन पाए और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता: इतिहासकारों का मानना है कि अमरनाथ यात्रा, हजारों वर्षों से चली आ रही है। अमरनाथ-दर्शन का महत्त्व पुराणों में भी मिलता है। बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। स्वामी विवेकानंद ने 1898 में जब अमरनाथ गुफा की यात्रा की तो भावविभोर होकर कहा था, 'मुझे सचमुच लगा कि स्वयं शिव के दर्शन हो गए हैं। मैंने ऐसी सुंदर प्रतिमा कभी नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनंद आया।'

यात्रा के हैं दो मार्ग: अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं। प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है, जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारंभ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव होता है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊंचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरंभ होती है। इस यात्रा मार्ग में महागुणास दर्रे को पार करना पड़ता है। महागुणास से पंचतरणी का पूरा रास्ता ढलान-युक्त है। छोटी-छोटी पांच नदियों के बहने के कारण यह स्थान पंचतरणी नाम से प्रसिद्ध हुआ है। पंचतरणी से अमरनाथ की पवित्र गुफा 6 किलोमीटर की दूरी पर है। गुफा के समीप पहुंच कर पड़ाव डाल दिया जाता है तथा प्रातःकाल पूजन इत्यादि के पश्चात शिव के हिमलिंग के दर्शनोपरांत भक्तजन पुण्य लाभ के भागीदार बनते हैं।

प्राप्त होता है पुण्य लाभ: प्रतिवर्ष संपन्न होने वाली इस पुण्यदायिनी यात्रा से अनेक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि अमरनाथ दर्शन और पूजन से महापुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में इंद्रिय निग्रह पर विशेष बल दिया गया है, जिससे मुक्ति की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि अमरनाथ यात्रा 'निग्रह' के बिना ही मुक्ति प्रदान करने वाली है, क्योंकि यात्राक्रम में आने वाली कठिनाइयों और गंतव्य-स्थल पर पहुंच कर होने वाले अनेकविध अनुभवों के कारण तीर्थयात्री को विविध प्रकार के सांसारिक कष्टों का बोध होता है। साथ ही शिव के हिमलिंग रूप के दर्शन से उसका हृदय इतना संयमित हो जाता है कि इंद्रिय-निग्रह किए बिना ही उसे मुक्ति प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों के समस्त भव रोगों और दुःखों का समूल नाश करते हैं।

श्रद्धा-सौहार्द भरी यात्रा: श्रावण मास में पवित्र हिमलिंग के दर्शनार्थ लाखों लोग भिन्न-भिन्न प्रदेशों से यहां आते हैं। अमरनाथ यात्रा से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक तथ्य यह है कि यह यात्रा पारस्परिक सद्भाव के प्रचार-प्रसार का कार्य भी करती है। विभिन्न प्रांतों से शिव के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में परस्पर समभाव की भावना विकसित होती है। विभिन्न भाषा-भाषी लोगों में परस्पर वार्तालाप होता है, भाईचारे की भावना का विकास होता है और विभिन्न प्रांतों की भौगोलिक जानकारी का आदान-प्रदान होता है। अतः अमरनाथ तीर्थयात्रा को तीर्थाटन के अतिरिक्त श्रद्धा, ज्ञान एवं सौहार्द के समुच्चय के रूप में भी जाना जाता है। *

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनालिटी से इंप्रेस हो, हर कोई आपसे जुड़ना चाहे, आपकी हेल्प करने को तैयार रहे, तो इसके लिए आपको खुद में कुछ क्वालिटीज को डेवलप करना होगा। इस बारे में जानिए।

पर्सनालिटी बनेगी मैग्नेटिक
डेवलप करें ये क्वालिटीज

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

मनीष का सोशल सर्कल देखकर उसके कुछ रिश्तेदारों को बड़ी हैरानी हुई। उसकी बेटी की शादी थी तो उसकी पूरी सोसाइटी और ऑफिस के लोग उसकी मदद के लिए ऐसे तत्पर थे, मानो वह कोई बहुत बड़ी हस्ती हो। किसी को कहने भर की देर थी काम चुटकियों में हो रहा था। कुछ रिश्तेदारों को उसके इस रुतबे से बेहद खुशी हुई, तो कुछ को ईर्ष्या भी महसूस हुई। उसके चचेरे भाई ने जरूर उसकी पीठ ठोकते हुए कहा, 'भाई तूने अपनी अच्छी रेपुटेशन बना रखी है। बिल्कुल चुंबक है, चुंबक।' ऐसी चुंबकीय पर्सनालिटी का स्वामी बनना बहुत कठिन बात नहीं है। इसके लिए आपको बस कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दूसरों को स्पेशल फील कराएं: हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण मानता है और चाहता है कि दूसरे भी उसे मान सम्मान दें। यह स्वभाव सामान्य से लेकर अति विशिष्ट तक हर व्यक्ति का होता है। सब चाहते हैं कि उसकी सराहना की जाए और वह ऐसे ही व्यक्ति को पसंद करते हैं, जो उन्हें ऐसा महत्व देता है। इसलिए मानव व्यवहार की इस मूलभूत इच्छा को समझें और लोगों के साथ ऐसा ही आचरण करें। जाहिर है, वे भी आपके साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं: हमारे जीवन में सामाजिक संबंधों का होना बेहद जरूरी है। ये प्रोफेशनल ही नहीं, पर्सनल लाइफ में भी बहुत सपोर्ट करते हैं। लोगों से मेल-जोल बढ़ाएं। उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्हें निमंत्रण और उपहार दें। किसी के निमंत्रण पर वहां जरूर जाएं। अगर कोई मुसीबत में है और उसे आपकी जरूरत है तो उसकी यथासंभव मदद करें। आपका मृदु व्यवहार और मिलनसार स्वभाव न सिर्फ आपका सामाजिक दायरा बढ़ाता है, यह आपको उन ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर सकता है, जिनकी आप कामना करते हैं।

आभार और बधाई देना सीखें: सहयोग या मदद के बदले आभार प्रकट करने वाले और किसी की उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देने में आगे रहने वाले लोगों को हर कोई पसंद करता है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते। आप अगर इन दोनों गुणों को अपना लेते हैं तो लोग आपको जरूर पसंद करेंगे, आपको इंपॉर्टेंस देंगे।

उम्मीदें ना करें: लोगों से उम्मीदें रखने से अकसर निराशा हाथ लगती है। जब आपकी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो आप उनके प्रति बुरा सोचने लगते हैं। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही है। फिर दूसरे भी आपसे दूर रहने लगते हैं। जीवन में व्यावहारिक बनें और सरल सोचें। अगर आपने किसी की मदद की है, तो वह आपका स्वभाव है और आपको सुविधा थी तो आपने वैसा किया। इस भाव से मदद करने और संपर्क रखने पर जादुई असर होता है। लोगों के एक बड़े समूह के बीच आप लोकप्रिय होने लगते हैं।

शब्दों का चयन सावधानी से करें: आप लोगों से अपनी बातचीत के माध्यम से जुड़ते हैं। उन्हें प्रभावित भी संवाद से ही किया जा सकता है। आप बोलते वक्त कैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, आपकी टोन कैसी है, बॉडी लैंग्वेज कैसी है आदि बातें बहुत मायने रखती हैं। दूसरों की बात गौर से सुनें, आई कॉन्टेक्ट रखें। कोई अपनी बात कह रहा है तो बीच में अपनी गाथा ना सुनाएं। अनचाही सलाह देने से बचें और तेज आवाज में बात न करें। कम्युनिकेशन स्किल जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, चाहे वह रिश्ते बनाना हो या कारोबार बढ़ाना हो। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होने लगेगा। लोग आपसे जुड़ते चले जाएंगे। *

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

अच्छी सेहत के साथ अच्छी आमदनी भी कराए अनार

पौष्टिकता और औषधीय गुणों से भरपूर अनार का वैज्ञानिक नाम 'पुनिका ग्रैनटम' है। यह 'लिथरेसी' परिवार का पेड़ है। हाल के सालों में अनार एक महत्वपूर्ण नकदी फसल के रूप में उभर कर सामने आया है। अनार मध्यम आकार का झाड़ीनुमा वृक्ष होता है, जो आमतौर पर 6 से 8 फुट ऊंचा होता है, लेकिन व्यवस्थित तरीके से देखरेख करने पर इसके पेड़ 10 से 15 फीट तक भी ऊंचे हो सकते हैं। इसका फल गोलाकार, कठोर परत वाला होता है। इस कठोर परत के नीचे लाल रंग के रसदार दाने भरे होते हैं।

सदियों पुराना पेड़: अनार मूलतः ईरान और उत्तरी भारत का देशज पेड़ माना जाता है। भारत में अनार का पेड़ प्राचीनकाल से मौजूद रहा है। हमारे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी अनार के औषधीय गुणों का उल्लेख मिलता है। प्राचीनकाल में अनार राजा-महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध था, यह उनके भोजन और फलाहार का हिस्सा हुआ करता था।

अनार की विभिन्न किस्में: भारत में अनार की पाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय किस्म 'भगवा' है। इस किस्म के फल बड़े और दाने चमकदार लाल रंग के होते हैं। निर्यात के लिए यह उपयुक्त किस्म मानी जाती है। भगवा के अलावा कंधारी, गणेश, अर्का मृदुला, अर्का रक्षक, ज्योति, रूबी नाम की किस्में पाई जाती हैं। हर किस्म की कुछ न कुछ खासियत होती है।

भारत में खेती: पहले अनार का पेड़ आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों और दक्कन के पठार में ही पाया जाता था। मगर आजकल देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी अलग-अलग किस्में उगाई जाती हैं। भारत में व्यावसायिक दृष्टि से अनार का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब के कई क्षेत्रों में भी अनार की खेती की जाती है। अनार की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं की बात करें तो इसके लिए लिए कम वर्षा, हल्की दोमट मिट्टी और 5.5 से 7.5 पीएच की भूमि सबसे उपयुक्त होती है।

किसानों के लिए फायदेमंद: एक एकड़ जमीन में करीब 400 से 500 अनार के पेड़ लग जाते हैं और हर पेड़ से कम से कम 10 से 12 किलो अनार का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ 4000 से 6000 किलोग्राम तक अनार का उत्पादन हो सकता है। इसमें 60 हजार से 1 लाख रुपए के बीच लागत आती है। अगर इसका बाजार भाव 80 रुपए भी मिल जाए तो किसान को हर साल 3 से 4 लाख रुपए की आमदनी हो सकती है। *

टेक्नो-बिहेवियर
मेघा राठी

लगभग सभी सोशल मीडिया यूजर्स इमोजी का यूज करते ही हैं। लेकिन इसका यूज करते समय कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है। इमोजी डे (17 जुलाई) के अवसर पर जानिए इनके बारे में।

जब यूज करें इमोजी ना भूलें एटिकेट्स

इन दिनों सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के दौरान या मैसेज भेजते समय इमोजी का यूज करना एक ट्रेंड बन गया है। लेकिन इमोजी भेजते समय लापरवाही बरतना आपकी इमेज बिगाड़ सकता है, आपको नॉनसिरीयस साबित कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि शब्दों की तरह ही इमोजी का भी यूज सोच-समझकर करें।

डिजिटल युग में कम्युनिकेशन: वर्तमान डिजिटल युग में संवाद का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया पर लेख, पोस्ट, सूचनाएं या अनुभव कुछ भी पढ़कर शीघ्रता से प्रतिक्रिया के रूप में 'लाइक', 'डिसलाइक' या किसी अन्य प्रतीक के रूप में इमोजी भेज दिया जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रयोग होने वाला चिन्ह है- दिल। यह प्रतीक जो मूलतः प्रेम, आत्मीयता या गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन अब रिएक्शन का सबसे सरल प्रतीक बन गया है। चाहे विषय गंभीर हो, आध्यात्मिक हो, संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव हो या सामाजिक समस्या-सब पर एक समान प्रतिक्रिया के रूप में यह चिन्ह लगा दिया जाता है।

प्रतीकों का भी होता है संदर्भ: वास्तव में, 'दिल' तब उपयुक्त प्रतीक होता है, जब विषय आत्मीय हो- जैसे मित्रता, स्नेह, समर्थन या व्यक्तिगत अनुभवों में सहानुभूति। लेकिन जब विषय दार्शनिक, वैचारिक या तर्कसंगत हो या जब वह शोक, पीड़ा या सामाजिक असमानता से जुड़ा हो, तब ऐसे प्रतीकों से प्रतिक्रिया देना विषय की गंभीरता को हल्का बना देता है। यह न केवल लेखक के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि भेजने वाले की समझ पर भी प्रश्न उठाता है।

हर जगह इमोजी भेजना उचित नहीं: इमोजी भेजने की प्रवृत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही, अब लोग आधिकारिक ईमेल, विभागीय संदेश या वरिष्ठों को भेजे जाने वाले संवादों में भी इमोजी का प्रयोग करने लगे हैं। यह न केवल संवाद की गंभीरता को कम करता है, बल्कि कई बार यह आपकी अनुशासनहीनता या असंवेदनशीलता का संकेत भी माना जा सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इमोजी का प्रयोग मित्रता, निजी वार्तालाप में उपयुक्त है, लेकिन इसकी सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए। डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ विवेक भी आवश्यक है।

डिजिटल एटिकेट का रखें ध्यान: किसी भी इमोजी को सेलेक्ट करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

- सोच-समझकर इमोजी का चयन करें।
- कार्यालय या वरिष्ठों के साथ संवाद में औपचारिक भाषा अपनाएं।
- गंभीर विषयों पर केवल इमोजी के बजाय मौलिक प्रतिक्रिया दें।
- यदि इमोजी भेजना हो तो विषय के अनुकूल ही सेलेक्ट करें। प्रतीकों का प्रयोग प्रासंगिकता के साथ होना चाहिए, न कि केवल आदत या सुविधा के कारण। *

कुछ कॉमन इमोजी

- ❤️ स्नेह, मित्रता, सहानुभूति, प्रेरणा।
- 😂 हंसी मजाक, मीम, हल्के-फुल्के निजी संवाद।
- 😢 संवेदना, शोक व्यक्त करने के लिए।
- 🙏 धन्यवाद, सम्मान, श्रद्धांजलि, प्रार्थना।
- 🔥 प्रेरक कार्य, जोश, उपलब्धि की सराहना।
- 👏 किसी की उपलब्धि, प्रेरक विचार का समर्थन।
- 😍 रोमांटिक या सौंदर्य-प्रशंसा से जुड़े।
- 🤔 तर्क, प्रश्न, विचार-उत्तेजक विषय।

सिने-जगत / अशोक जोशी

हम जो पर्दे पर देखते हैं, वो सितारों की रील लाइफ होती है। जो जिंदगी वह वास्तव में जीते हैं, वह उनकी रियल लाइफ होती है। पर्दे पर हमें जीवंत, सुखी, स्वस्थ और ढाई घंटे में बरसों लंबी जिंदगी के दर्शन करा देने वाले कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जिनकी जिंदगी किसी शॉर्ट फिल्म जितनी ही छोटी रही।

कम उम्र में गुजरे बीते दौर के सितारे: पिछली सदी में पचास का दशक हिंदी फिल्मों का आरंभिक दौर था। उस दौर में अभिनेता श्याम एक जाने माने सितारे थे, जिनकी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिरने से मौत हो गई थी। जिस समय यह हादसा हुआ, उनकी उम्र केवल 31 बरस ही थी। के.एल. सहगल हिंदी फिल्म के मशहूर गायक और अभिनेता थे। लेकिन शराब की लत के कारण उन्हें लीवर सिरोसिस हो गया था। मात्र साढ़े बयालिस साल की उम्र में सहगल इस दुनिया से विदा हो गए।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहेब बीवी और गुलाम' जैसी क्लासिक फिल्में देने वाले गुरुदत्त महज 39 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए थे। गुरुदत्त को इन्सोम्निया (स्लीप डिसऑर्डर) की बीमारी थी। कहा जाता है कि शराब के अत्यधिक सेवन और नींद की गोली के ओवरडोज के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

हाल में गुजर गए युवा सितारे: बीते कुछ दशकों की बात करें तो फिल्म और टेलीविजन के कई प्रसिद्ध कलाकार बेहद कम उम्र में ही जिंदगी की जंग हार गए। सुशांत सिंह राजपूत ने सिर्फ 34 साल की उम्र में कथित आत्महत्या कर ली। हालांकि सुशांत की मौत की वजहों को लेकर आज भी कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। बिग बॉस 13 के विनर और टीवी के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की हार्ट अटैक के कारण हुई अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। सिद्धार्थ सिर्फ 40 साल की उम्र में इस दुनिया से रुखसत हो गए। अभिनेता इंदर कुमार महज 44 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चले गए। उनके निधन की भी वजह हार्ट अटैक को ही माना गया था। हालांकि अपने निधन से कुछ साल पहले इंदर कुमार एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हेलिकॉप्टर से जमीन पर गिर गए थे और तभी से उनको कई परेशानियां शुरू हो गई थीं।

कई अभिनेत्रियां भी गुजर गईं कम उम्र में: हिंदी सिनेमा की वीनस कही जाने वाली मोहक व्यक्तित्व की मलिका मधुबाला की मुस्कान आज भी दर्शकों के मस्तिष्क पर छाई हुई है। फिल्मी करियर के साथ ही उनका जीवन भी छोटा ही रहा। उन्होंने 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी मृत्यु का कारण दिल की बीमारी बताया जाता है। इसी तरह ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की रियल लाइफ भी किसी ट्रेजडी से कम नहीं थी। पारिवारिक विवाद और दुःख से परेशान मीना कुमारी ने शराब से नाता जोड़ लिया था। अपने गम में डूबी मीना कुमारी 38 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से कूच कर गईं। अपने जमाने की सफलतम नायिकाओं में से एक गीताबाली भी चेचक की बीमारी के कारण मात्र 34 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री स्मिता पाटिल जब सिनेमा में आईं तो लगा था कि मीना कुमारी की खाली जगह भर जाएगी। अपने छोटे से फिल्मी जीवन में स्मिता पाटिल ने न केवल समानांतर फिल्मों में अपनी जगह बनाई बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ 'नमक हलाल' जैसी सुपरहिट कॉमर्शियल फिल्म की सफलता में बराबर का योगदान दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश डिलीवरी के दौरान पीलिया से पीड़ित होकर वह मात्र 29 साल की उम्र में स्वर्ग सिधार गईं। बाद के दौर की बात करें तो उभरती नायिका दिव्या भारती को भी बेहद कम उम्र में मौत ने अपनी आगोश में ले लिया था। सफलता के सिंहासन पर बैठी यह नायिका मात्र 19 साल की उम्र में एक हादसे का शिकार हो चल बसीं।

स्मिता पाटिल

प्रत्युषा बनर्जी

हाल में दिवंगत हुईं एक्ट्रेसेस: बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस जिया खान भी 25 की उम्र में दुनिया को छोड़ गईं। जिया ने खुदकुशी कर ली थी। धारावाहिक 'बालिका वधु' से अपनी पहचान बनाने वालीं प्रत्युषा बनर्जी ने भी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगा लिया। प्रत्युषा ने महज 24 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। ऐसे ही कई सफल एवं उभरती हुई अभिनेत्रियों की मृत्यु बेहद कम उम्र में हुई। अगर एकदम हाल की घटना का जिक्र करें, तो 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर मॉडल-एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हाल ही में 42 वर्ष की उम्र में अचानक दुनिया को अलविदा कह गईं। *

हाल में ही एक्ट्रेस-मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई डेथ ने सबको चौंका दिया। लेकिन शेफाली से पहले भी हिंदी सिनेमा और छोटे पर्दे के कई एक्टर-एक्ट्रेसेस बहुत कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए हैं। ऐसे ही कुछ कलाकारों पर एक नजर, जो युवावस्था में ही इस जहान से रुखसत हो गए।

सितारे जिन्होंने कम उम्र में ही
दुनिया को कह दिया अलविदा

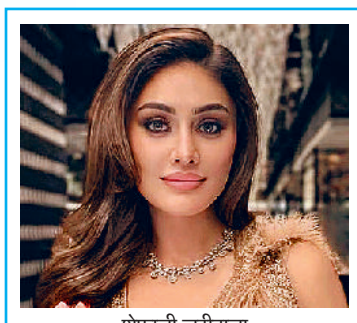

शेफाली जरीवाला

सुशांत सिंह राजपूत

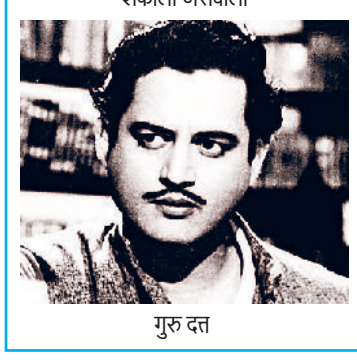

गुरु दत्त

मीना कुमारी